ये अव्यक्त इशारे

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

2-11-2025

जैसे बापदादा अशरीरी से शरीर में आते हैं वैसे ही बच्चों को भी अशरीरी हो करके शरीर में आना है। अव्यक्त स्थिति में स्थित होकर फिर व्यक्त में आना है। जैसे इस शरीर को छोड़ना और शरीर को लेना, यह अनुभव सभी को है। ऐसे ही जब चाहो तब शरीर का भान छोड़कर अशरीरी बन जाओ और जब चाहो तब शरीर का आधार लेकर कर्म करो। बिल्कुल ऐसे ही अनुभव हो जैसे यह स्थूल चोला अलग है और चोले को धारण करने वाली मैं आत्मा अलग हूँ।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

Just as BapDada is bodiless and enters a body, in the same way, you children have to be bodiless and then come into your bodies. Remain stable in the avyakt stage and then go into your corporeal forms. Everyone has the experience of leaving a body and then taking another body. In the same way, renounce the consciousness of that body when you want and become bodiless and take the support of that body to perform actions when you want. Experience that physical costume to be completely separate from I, the soul, who adopts this body.